अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 16 जनवरी 2023
माघ कृष्ण-नवमी
विक्रम संवत-2079

PAGE NO : 7 MIDDLE

'गधे की बरात' ने गुदगुदाया

रिद्धिमा में 'गधे की बरात' का मंचन करते कलाकार। *संवाद*

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को दिल्ली के बेला थिएटर कारवां की ओर से नाटक 'गधे की बरात' का मंचन ने दर्शकों को गुदगुदाया। हरिभाई वडगांओंकर लिखित, अमर शा निर्देशित नाटक समाज के दोहरे मापदंड पर एक व्यंग की तरह रहा। इसमें अमीर और गरीब के बीच खाई को दिखाया गया। नाटक शुरू इंद्र के दरबार से होता है। नशे में धुत चित्रसेन नृत्य कर रही अप्सरा का हाथ पकड़ लेता है। इंद्र उसे गधा होने का शाप देते हैं। चित्रसेन के माफी मांगने पर इंद्र कहते हैं कि मृत्युलोक में अंधेर नगरी चौपट राजा की बेटी से विवाह करने के बाद वह शापमुक्त हो जाएगा। राजा की पुत्री से शादी होने के बाद चित्रसेन राजमहल चला जाता है। नाटक ने दर्शकों को खूब गुदगुदाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गिरिधर गोपाल खंडेलवाल, डॉ. प्रभाकर गुप्ता आदि मौजूद रहे। संवाद